C7a Pedagogy of Hindi Unit-1

Q हिन्दी शब्दावली की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा करें।

उत्तर – हिन्दी शब्दावली की विशेषता :–

(i) नियतार्थता :– पारिभाषिक शब्द का अर्थ किसी स्थान विशेष मे नियत और निश्चित होना चाहिए।

(ii) स्पष्टता और असंदिग्धता :– अर्थ की निश्चितता और परस्पर अपवर्जिता के लिए जरूरी है कि पारिभाषिक शब्द अपने आप मे स्पष्ट और असंदिग्ध हो

(iii) एक संकल्पना के लिए एक शब्द :– यदि एक संकल्पना के लिए एक से अधिक शब्द होंगे तो उनकी अर्थगत अनन्यता कायम नही रहेगी।

(iv) भाषा की प्रकृति और उच्चारण पद्धति के अनुकूल हो – यह बात खासतौर पर उन शब्दों के संदर्भ मे ध्यान रखने की है जिन्हे अन्य भाषाओं से लिया गया हो जो शब्द हिन्दी भाषा मे चल पड़े है वे तो उसकी प्रकृति के अनुरूप ढल गए है लेकिन जो बहुत अधिक प्रयोग मे नही आए है या जिनकी जल्दी अवसर नही पड़ती है उसका अनुकूलन अपेक्षित होता है। यह अनुकूलन रचना और उच्चारण दोनों ही स्तरो पर किया

जाता है।

(v) उर्वरता – उर्वरता से तात्पर्य है कि किसी शब्द के विस्तार की संभावना। अर्थात् संबंधित संकल्पना के विभिन्न पक्षों को प्रकट करने के लिए शब्द गढ़े जाने की संभावना।

उदाहरण – एक पारिभाषिक शब्द विधि है – विधि। इसमें उपसर्ग-प्रत्यय आदि जोड़कर अन्य अनेक शब्द बनाए जा सकते हैं – विधि, संविधि, संविधान, सांविधानिक, प्राविधि आदि।

उपर्युक्त विशेषता हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली प्रयोजनमूलक हिन्दी का महत्वपूर्ण अंग है। इस शब्दावली ने हिन्दी को ज्ञान, विज्ञान, प्रशासन, वाणिज्य और जनसंचार की भाषा बनने का गौरव प्रदान किया है। साहित्यिक भाषा से राजभाषा बनने की यह यात्रा अनेक सोपान पार कर यहाँ तक पहुँची है। पारिभाषिक शब्दों का निर्माण, निर्माण के आधार, शब्दावली का महत्व इस प्रक्रिया द्वारा समझा जा सकता है।

शब्द से आशय वर्णों के सार्थक समूह से है। मनुष्य जगत के व्यवहार चिंतन मनन और भावना की सभी स्थूल - सूक्ष्म अभिव्यक्तियाँ शब्द के माध्यम से चरितार्थ होती है। स्पष्ट शब्द और अर्थ अभिन्न है। पारिभाषिक शब्दावली पारिभाषिक शब्दों का समूह है, ये पारिभाषिक शब्द - विज्ञान मंडली द्वारा बनाए जाते है। हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली हिन्दी शब्दों का संकलन नहीं है यह अंग्रेजी शब्दों के पर्याय के रूप में प्रयुक्त होता है। पारिभाषिक शब्दों का निर्माण स्थान, ग्रहण संचयन एवं अनुकूलन जैसी चार प्रक्रियाओं से गुजर कर हुआ है।